>

Title: Need to increase import duty on import of Apple.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में हिमाचल प्रदेश सहित पूरे भारत के सेब उत्पादकों को सेब में आयात शुल्क कम होने का मामला लाना चाहता हूं। हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य होने के कारण यहां विशेष तौर से शिमला, किन्नौर, मंडी, कुल्लू में सेब उत्पादन के लिए अनुकूल मौसम है। प्रदेश में बागवानी के क्षेत्र में 90 प्रतिशत उत्पाद सेब के रूप में होता है और 1.6 लाख परिवार इसके उत्पादन से जुड़े हैं। साथ ही प्रदेश की इकनोमी में अकेले सेब उत्पादन का लगभग 6 प्रतिशत योगदान है। लेकिन सेब का आयात गत वर्षों से लगातार बढ़ता जा रहा है। जहां वर्ष 2006-07 में 35,862 मीट्रिक टन का सेब आयात हुआ, वहीं वर्ष 2010-11 में यह 1,15,391 मीट्रिक टन सेब आयात हुआ जो लगभग तीन गुना अधिक है। जिसकी वजह से हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश के सेब उत्पादक अपने भविष्य को लेकर चिन्तित हैं और आयात किए गए सेब के कारण बाज़ार में भी विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि आयात किया हुआ सेब पर आयात शुल्क कम है, जिसके कारण भारतीय सेब बाज़ार की प्रतिस्पर्द्धा में पिछड़ता जा रहा है। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा भारत सरकार के समक्ष यह मामला वर्ष 1999 से लगातार उठाया और वर्ष 2000-01 में भारत सरकार ने आयात शुल्क 50 प्रतिशत बढ़ाया था, लेकिन यह आयात शुल्क इतना नहीं बढ़ा जिससे भारतीय सेब और आयात किया हुआ सेब समान प्रतिस्पर्द्धा में बाज़ार में आए।

अतः सभापति जी आपके माध्यम से मेरा भारत सरकार से यह आग्रह है कि सेब पर अंगूर की तर्ज़ पर सौ प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाए ताकि प्रभावित सेब उत्पादकों को राहत मिल सके।